

सतत विकास एवं संसाधन संरक्षण : एक भौगोलिक अध्ययन

Dr. Sanjay Shahi

Associate Professor, Deptt. Of Geography.

J. S. Hindu P.G. College, Amroha

email. shahibisen@gmail.com

सार

सतत विकास और संसाधनों का संरक्षण दोनों ही महत्वपूर्ण विषय हैं जो हमारे भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। सतत विकास एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें संसाधनों का उपयोग किया जाता है ताकि सामाजिक और आर्थिक विकास हो सके। इस प्रक्रिया में, संसाधनों का संग्रहण, उपयोग, और विकास करना एक महत्वपूर्ण अंग होता है। इसके साथ ही, संसाधनों का संरक्षण भी बहुत जरूरी है। यह हमारे पर्यावरण, वनस्पति, वन, वातावरण और वन्यजीवों के लिए बहुत महत्वपूर्ण होता है। संसाधनों के संरक्षण के बिना, हमारा भविष्य अनिश्चित हो सकता है और यह हमारे संसाधनों के उपयोग से पूरी तरह से निर्भर होता है। संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास के लिए, हमें इन दोनों के बीच संतुलन बनाने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें संसाधनों का संग्रहण, उपयोग और विकास करने के लिए सुसंगत तकनीक और समाज के साथ सहयोग करने की आवश्यकता होती है।

मुख्य शब्द सतत विकास, संसाधन, संरक्षण, पर्यावरण, वनस्पति, वन्यजीव, संतुलन, तकनीक, समाज, सहयोग।

प्रस्तावना

आधुनिक दुनिया में, सतत विकास और संसाधनों का संरक्षण दोनों ही बहुत महत्वपूर्ण विषय हैं। हमारी धरती पर अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जैसे कि जलवायु परिवर्तन, जल संकट, जंगलों का नुकसान, प्रदूषण और बढ़ती आबादी आदि।

इन समस्याओं का समाधान सिर्फ सतत विकास और संसाधनों का संरक्षण करके हो सकता है। इसके लिए, हमें संसाधनों का संग्रहण, उपयोग, और विकास करने के साथ साथ, संसाधनों का संरक्षण भी बहुत जरूरी है।

इस प्रकार, सतत विकास और संसाधनों का संरक्षण हमारे भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। इसके लिए हमें संतुलन बनाने की आवश्यकता है जिससे संसाधनों का संग्रहण, उपयोग और विकास किया जाए तथा संसाधनों का संरक्षण भी एक उचित रूप से किया जाए।

कुछ महत्वपूर्ण कारक निम्नलिखित हैं।

- प्रदूषण: प्रदूषण जलवायु, जल, वायु, माटी और ध्वनि आदि की अवैध व्यवहार से होता है। सतत विकास के लिए, हमें प्रदूषण को नियंत्रित करना और कम करना होगा।
- जल संरक्षण: जल संकट दुनिया भर में बढ़ता जा रहा है। सतत विकास के लिए, हमें जल संरक्षण, जल संग्रहण, जल शोधन और जल संचय जैसे कदम उठाने होंगे।
- वनस्पति और वन्यजीव संरक्षण: वनस्पति और वन्यजीव हमारे वातावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। इनके संरक्षण के लिए, हमें वन क्षेत्रों को संरक्षित करना, बचाव क्षेत्रों की संख्या बढ़ाना और बागवानी और पारितंत्रिक तकनीकों का उपयोग करना होगा।
- ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा एक महत्वपूर्ण संसाधन है जो हमें विकास के लिए आवश्यक होता है। हालांकि, ऊर्जा के अधिक उपयोग से पर्यावरण और समुदाय को नुकसान पहुंचता है। संरक्षण के लिए, हमें ऊर्जा उत्पादन और उपयोग में संगठित तरीकों का उपयोग करना होगा।
- जनसंख्या नियंत्रण: जनसंख्या बढ़ती जा रही है और इससे संसाधनों पर दबाव बढ़ता जा रहा है। संरक्षण के लिए, हमें जनसंख्या नियंत्रण के लिए जागरूकता फैलानी और उचित कार्यवाही की जरूरत होगी।

- प्राकृतिक आपदाओं से निपटना: प्राकृतिक आपदाएं जैसे भूकंप, बाढ़ और तूफान हमारे संसाधनों को नुकसान पहुंचाते हैं। संरक्षण के लिए, हमें आपदा प्रबंधन और आपदा से प्रभावित समुदायों की मदद के लिए योजनाएं बनानी होंगी।

इन सभी कारकों को संरक्षण करने के लिए, हमें सभी स्तरों पर सहयोग की आवश्यकता होती है।

स्थिरता और मुख्य अंतर

स्थिरता वह उद्देश्य है जो सतत विकास चाहता है, इसलिए यह एक रणनीति नहीं है, बल्कि एक उद्देश्य है। इस प्रकार का विकास भविष्य की पीढ़ियों के लिए समान गुणवत्ता और आजीविका को खतरे में डाले बिना पर्यावरण और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार करना है।

ग्रह और उसके संरक्षण को भी ध्यान में रखना एक महत्वपूर्ण कारक है। हम न केवल मानव प्रजातियों को समय रहते जीवित करना चाहते हैं, बल्कि यह भी है कि यह जीवन की उचित गुणवत्ता के साथ ऐसा कर सकता है। हमें क्या सोचना चाहिए कि वर्तमान जीवन मॉडल ग्रह की पुनर्जनन क्षमता से अधिक है। हम बहुत सारी ऊर्जा, पानी और अन्य प्राकृतिक संसाधनों को बर्बाद करते हैं। यह केवल उस कचरे का ही नहीं है, बल्कि उसी का उद्गम है। यदि हम जो बिजली बर्बाद करते हैं, वह अक्षय स्रोतों से आती है, जिनका उत्पादन और उपयोग प्रदूषित नहीं करता है, यह एक उचित कारण के लिए भी उचित हो सकता है। हालांकि, बिजली को बर्बाद करना, यह जानना कि इसकी ऊर्जा की उत्पत्ति जीवाश्म ईंधन पर आधारित है जिसका निष्कर्षण और पर्यावरण को प्रदूषित करता है, पूरी तरह से नकारात्मक है।

सतत विकास का उद्देश्य संसाधनों के उपयोग में संतुलन हासिल करना है ताकि बिना नुकसान पहुंचाए इसका आनंद लिया जा सके। एक पारिस्थितिक प्रक्रिया के रूप में यह परिभाषित किया गया है जिसमें पारिस्थितिक प्रणाली और उनकी प्रजातियां उन संसाधनों के साथ पूर्ण संतुलन

में रहती हैं जो उनके पर्यावरण में मौजूद हैं। तथाकथित पारिस्थितिक संतुलन जिसमें प्रजातियां पर्यावरण के अनुरूप हैं। वे जीवित रहते हैं, प्रसार करते हैं और प्रजातियों के बीच प्राकृतिक संसाधनों और बातचीत के आधार पर प्रतिस्पर्धा करते हैं।

सतत विकास लक्ष्यों

सतत विकास की परिभाषा दिए जाने के बाद, हम यह बताने जा रहे हैं कि इसके मुख्य उद्देश्य क्या हैं। ये लक्ष्य वे संयुक्त राष्ट्र द्वारा अनुमोदित 2030 एजेंडा में शामिल हैं। इस दस्तावेज़ के लिए धन्यवाद, उद्देश्यों की एक बड़ी विविधता को इकट्ठा करना संभव हो गया है, जिनके बीच हमारे पास हैं:

- दुनिया भर में वस्तुओं और सेवाओं के अधिक समान वितरण के माध्यम से भूख और गरीबी को खत्म करना।
- लोगों और उनकी भलाई के लिए स्वस्थ जीवन की गारंटी।
- काम की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए शिक्षा को बढ़ावा देना, जिसकी वे आकांक्षा कर सकें।
- दुनिया में हर किसी को स्वच्छ पानी और स्वच्छता जैसी बुनियादी सेवाओं तक पहुंच होनी चाहिए।
- असमानता कम।
- प्रदूषण को कम करने के लिए सस्ती और नवीकरणीय ऊर्जा तक पहुंच।
- उद्योगों को अपनी सेवाओं में सुधार करने के लिए नवीनीकृत किया जाएगा और अवसंरचना स्थायी समुदायों का निर्माण करने में सक्षम होगी।
- संसाधनों का जिम्मेदार उत्पादन और खपत।
- जलवायु परिवर्तन और ग्रह और मानव जीवन पर नकारात्मक प्रभावों के बारे में निर्णय लें।
- शांति, न्याय और इसे सही ढंग से लागू करने वाले संस्थानों को प्राप्त करने के लिए,
- इस संघ के साथ देशों के बीच गठजोड़ करें, वास्तविक उद्देश्यों को प्राप्त करें।

सतत विकास का महत्व

सतत विकास नीचे कील के लिए एक कठिन विषय है क्योंकि यह चीजों की एक विस्तृत श्रृंखला के होते हैं। तकनीकी और इस विषय की जटिलता के कारण, यह सबसे अच्छा है बाहर इसके महत्व की जांच करने के लिए समग्र रूप से यह आसानी से समझ में सक्षम हो। जनसंख्या सतत विकास अभियानों को चलाने का मुख्य कारक है। इसलिए, सतत विकास के महत्व को इस नजरिए से देखा जा सकता है:

1. आवश्यक मानव आवश्यकताएं प्रदान करता है
2. कृषि आवश्यकता
3. जलवायु परिवर्तन का प्रबंधन
4. वित्तीय स्थिरता

सतत विकास के उदाहरण

उदाहरण देने के लिए निम्नलिखित सूची हैं।

- अकार्बनिक कचरे के पुनर्चक्रण को संसाधनों में परिवर्तित किया जा सकता है, जिसका पुनः उपयोग और पुनर्चक्रण उत्पादों के जीवन चक्र में किया जा सकता है।
- बागवानी या कृषि में खाद बनाने के लिए बायोडिग्रेडेबल कचरे का पुनः उपयोग किया जा सकता है।
- नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन करने वाले सौर ऊर्जा संयंत्रों में सुधार और वृद्धि।
- दूसरे का फायदा उठाते हुए नवीकरणीय ऊर्जा जैसे हवा, ज्वार, हाइड्रोलिक, लहर, आदि।
- सिंचाई के लिए वर्षा जल का उपयोग, संग्रहण और भंडारण किया जा सकता है।
- जैविक खेती संसाधन संरक्षण को आगे बढ़ा सकती है।
- दौरा करने वाले पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने से बचने के लिए ईकोटूरिज्म।
- सतत गतिशीलता। यह बड़े शहरों में प्रदूषण से बचने के लिए कार्य करता है।

निष्कर्ष

सतत विकास लक्ष्यों का मुख्य उद्देश्य विश्व से गरीबी को पूर्णतः खत्म करना तथा सभी समाजों में सामाजिक न्याय व पूर्ण समानता स्थापित करना है। भारत को भी गंभीरता से इन लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु कार्य करना चाहिये।

संसाधनों का संरक्षण और सतत विकास दोनों एक दूसरे के साथ जुड़े हुए हैं। विकास एक आवश्यकता है, लेकिन इससे हमारे प्राकृतिक संसाधनों पर बड़ा असर पड़ता है। इसलिए, हमें संसाधनों का संरक्षण करने की आवश्यकता होती है जो संभव है बस संसाधनों को सही तरीके से उपयोग करने और उन्हें बचाए रखने से होगा। इसके लिए हमें उन संसाधनों को संरक्षित करने और संरक्षित रखने के लिए संगठित तरीके का उपयोग करना चाहिए। इस संरक्षण के लिए, हमें जनसंख्या नियंत्रण, प्राकृतिक आपदाओं से निपटना, ऊर्जा संरक्षण, प्रदूषण कम करना, वनों का संरक्षण और संसाधनों का व्यवस्थित उपयोग करना जैसे कारकों पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

जब हम संसाधनों का संरक्षण करते हैं तो हम सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ भी प्राप्त करते हैं। संसाधनों को संरक्षित रखने से हम प्रकृति को संतुलित रख सकते हैं जो अपने आप में हमारे लिए अनेक लाभ प्रदान करती है। संसाधनों का संरक्षण हमें जलवायु परिवर्तन से लड़ने में मदद करता है जो अपने आप में एक बड़ी आपदा है। इसके अलावा, संसाधनों के संरक्षण से हमारे समुदायों और विश्व स्तर पर अर्थव्यवस्था को भी लाभ मिलता है।

इसलिए, हमें संसाधनों का संरक्षण और सतत विकास के लिए संरचनात्मक उपाय अपनाने की आवश्यकता है जो हमें आगे की पीढ़ियों के लिए संसाधनों को संरक्षित रखने में मदद करेंगे।

सन्दर्भ

- United Nations. (2015). Sustainable Development Goals. <https://www.un.org/sustainabledevelopment/sustainable-development-goals/>



- United Nations Environment Programme. (2021). Protecting the Environment. <https://www.unep.org/protecting-environment>
- World Wildlife Fund. (2021). Conservation. <https://www.worldwildlife.org/conservation>
- The Nature Conservancy. (2021). Our Work. <https://www.nature.org/en-us/about-us/what-we-do/>
- National Geographic Society. (2021). Conservation. <https://www.nationalgeographic.org/conservation/>
- International Union for Conservation of Nature (IUCN). (2021). Conservation. <https://www.iucn.org/theme/conservation>
- Environmental Defense Fund. (2021). What We Do. <https://www.edf.org/what-we-do>
- Natural Resources Defense Council. (2021). Our Work. <https://www.nrdc.org/our-work>
- World Resources Institute. (2021). Sustainability. <https://www.wri.org/sustainability>
- United States Environmental Protection Agency. (2021). Conservation and Sustainability. <https://www.epa.gov/conservation>